बुधवार, 6 मई, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

रघु शर्मा के भावुक जश्न ने जीता सबका दिल

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

बाबिल खान की वापसी लंबे ब्रेक के बाद फिर शुरू किया काम

Page-05

चुनाव नतीजों के बाद बंगाल में राजनीतिक असमंजस की स्थिति बन गई है।एक ओर भाजपा सरकार बनाने की तैयारी में है, वहीं ममता बनर्जी इस्तीफा देने को तैयार नहीं हैं।इस विवाद ने संवैधानिक प्रक्रिया और राज्यपाल की भूमिका को लेकर नई बहस छेड़ दी है।

संवैधानिक स्थिति पर उठे सवाल

ममता का इस्तीफा देने से इनकार

- **संवैधानिक नैतिकता कहती है कि जनता का विश्वास खोने पर मुख्यमंत्री को पद छोड़ना चाहिए।**
- **अगर इस्तीफा नहीं दिया जाता, तो राज्यपाल फ्लोर टेस्ट का आदेश दे सकते हैं,**

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विधानसभा चुनाव में मिली हार के बावजूद मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने से इनकार कर दिया है। उन्होंने चुनाव परिणामों पर सवाल उठाते हुए कहा कि "मैं हारी नहीं हूं, मुझे हराया गया है।" ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग पर भी निष्पक्षता को लेकर आरोप लगाए हैं, जिससे राज्य की राजनीति और गरमा गई है।इस स्थिति में सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि यदि ममता बनर्जी इस्तीफा नहीं देती हैं, तो भाजपा के नेता शुभेंदु अधिकारी मुख्यमंत्री पद की शपथ कैसे लेंगे। भाजपा पहले ही घोषणा कर चुकी है कि 9 मई को शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा।इस मुद्दे पर पूर्व अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल और वरिष्ठ अधिवक्ता पिंकी आनंद ने स्पष्ट किया कि संविधान में भले ही सीधे तौर पर इस्तीफे का प्रावधान न लिखा हो, लेकिन "संवैधानिक नैतिकता" बहुत महत्वपूर्ण होती है। उनके अनुसार, यदि कोई सरकार या मुख्यमंत्री जनता का विश्वास खो देता है, तो नैतिक रूप से पद पर बने रहना उचित नहीं माना जाता।

उन्होंने कहा कि अगर चुनाव प्रक्रिया को लेकर कोई आपत्ति है, तो उसे अदालत में चुनाव याचिका के माध्यम से चुनौती दी जानी चाहिए, न कि पद पर बने रहकर।पिंकी आनंद ने यह भी कहा कि ऐसी स्थिति में राज्यपाल के पास फ्लोर टेस्ट कराने का अधिकार होता है। यदि मुख्यमंत्री विधानसभा में बहुमत साबित नहीं कर पाते हैं, तो उन्हें इस्तीफा देना ही होगा।

इसके अलावा, उन्होंने यह भी संकेत दिया कि विधानसभा के भंग होने की स्थिति में सभी सदस्यों की स्थिति स्वतः समाप्त हो जाती है।कुल मिलाकर, बंगाल में मौजूदा राजनीतिक घटनाक्रम ने संवैधानिक प्रक्रियाओं, नैतिकता और सत्ता परिवर्तन के नियमों पर एक नई बहस छेड़ दी है।

सबरीमाला मामले में सुप्रीम कोर्ट सख्त

महिलाओं के धार्मिक स्थलों में प्रवेश से जुड़े अहम मामलों की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। Indian Young Lawyers Association द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने तीखे सवाल उठाए और इसे कानूनी प्रक्रिया के दुरुपयोग की तरह बताया। कोर्ट ने पूछा कि आखिर यह याचिका किस अधिकार से दायर की गई और क्या याचिकाकर्ता खुद को धार्मिक मामलों का निर्णायक मानता है।यह टिप्पणी नौ-न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने की, जिसकी अध्यक्षता भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत कर रहे हैं। सुनवाई के दौरान जस्टिस बीवी नागरत्ना ने कहा कि कोई भी कानूनी संस्था व्यक्तिगत आस्था का दावा नहीं कर सकती, क्योंकि विश्वास व्यक्ति से जुड़ा होता है, संस्था से नहीं। जस्टिस अरविंद कुमार ने भी याचिका दायर करने की प्रक्रिया और संगठन की आंतरिक मंजूरी पर सवाल उठाए।मुख्य न्यायाधीश ने यह भी कहा कि ऐसी याचिकाएं दाखिल करने के बजाय संगठनों को युवा वकीलों और न्याय व्यवस्था को मजबूत करने पर ध्यान देना चाहिए। अदालत ने यह संकेत दिया कि सार्वजनिक हित याचिकाओं का इस्तेमाल जिम्मेदारी के साथ होना चाहिए।याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील ने बताया कि 2006 में प्रकाशित समाचार रिपोर्टों के आधार पर यह याचिका दायर की गई थी और इसका उद्देश्य किसी की आस्था को ठेस पहुंचाना नहीं, बल्कि धार्मिक परंपराओं को बनाए रखना था।

विजय की TVK सबसे बड़ी पार्टी, सरकार गठन पर सस्पेंस

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में इस बार बड़ा राजनीतिक बदलाव देखने को मिला है। राज्य की पारंपरिक पार्टियां डीएमके और एआईएडीएमके को करारी हार का सामना करना पड़ा, जबकि अभिनेता विजय की दो साल पुरानी पार्टी टीवीके (TVK) ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए 108 सीटें जीत लीं और सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन खुद चुनाव हार गए, वहीं विजय ने 49 हजार से अधिक वोटों से जीत दर्ज की।हालांकि, 234 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत के लिए 118 सीटों की जरूरत होती है और टीवीके इससे 10 सीट पीछे रह गई है। ऐसे में राज्य में सरकार गठन को लेकर सस्पेंस बना हुआ है और मुख्यमंत्री पद की दौड़ तेज हो गई है। अगले कुछ दिनों में यह साफ हो सकता है कि विजय किसके साथ मिलकर सरकार बनाएंगे।इसी बीच राहुल गांधी ने विजय से फोन पर बात कर उन्हें जीत की बधाई दी है, जिससे कांग्रेस और टीवीके के संभावित गठबंधन की चर्चाएं तेज हो गई हैं। हालांकि, कांग्रेस के समर्थन के बावजूद आंकड़ा पूरा नहीं होता, इसलिए एआईएडीएमके के साथ गठबंधन की संभावनाएं भी जताई जा रही हैं। चुनाव परिणाम आने के बाद विजय के आवास की सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है।

9 मई को शपथ ग्रहण

पश्चिम बंगाल में भाजपा की ऐतिहासिक जीत

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा की बड़ी जीत के बाद तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने से इनकार कर दिया है। चुनाव नतीजों के एक दिन बाद उन्होंने साफ कहा कि यह हार जनता के जनादेश की नहीं, बल्कि साजिश का परिणाम है। उनका आरोप है कि उनकी पार्टी चुनाव नहीं हारी, बल्कि सत्ता जबरन छीनी गई है। ममता बनर्जी ने कहा कि उनके इस्तीफे का सवाल ही नहीं उठता। उनके मुताबिक तृणमूल कांग्रेस की लड़ाई भाजपा से ज्यादा चुनाव प्रक्रिया से थी। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनावी प्रक्रिया निष्पक्ष नहीं रही और मतों की लूट हुई है। साथ ही उन्होंने कहा कि वह सड़कों पर उतरकर अपनी राजनीतिक लड़ाई जारी रखेंगी और विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन को मजबूत करने के लिए काम करेंगी। हालांकि संवैधानिक विशेषज्ञों का मानना है कि ममता बनर्जी का इस्तीफा देना या न देना नई सरकार के गठन में बाधा नहीं बनेगा। पश्चिम बंगाल की मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल 6 मई को समाप्त हो रहा है। संविधान के अनुसार कोई भी सरकार पांच वर्ष से अधिक समय तक सत्ता में नहीं रह सकती। ऐसी स्थिति में कार्यकाल समाप्त होने के बाद राज्यपाल नई विधानसभा के गठन की प्रक्रिया आगे बढ़ा सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार यदि मुख्यमंत्री इस्तीफा नहीं भी देती हैं, तब भी राज्यपाल नई सरकार के गठन का रास्ता साफ कर सकते हैं। निर्वाचन आयोग द्वारा विजयी घोषित उम्मीदवारों को ही वैध माना जाएगा और उसी आधार पर नई विधानसभा अस्तित्व में आएगी। इसके बाद राज्यपाल नई सरकार बनाने के लिए बहुमत प्राप्त दल या गठबंधन को आमंत्रित कर सकते हैं।कानून के जानकारों का यह भी कहना है कि ममता बनर्जी चुनाव परिणामों को कानूनी मंच पर चुनौती देने के लिए स्वतंत्र हैं। वह चुनाव याचिका दायर कर सकती हैं, लेकिन ऐसी प्रक्रिया में समय लगेगा। अगर वह अदालत का दरवाजा खटखटाती भी हैं, तब भी मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल समाप्त होने के बाद मुख्यमंत्री पद पर बने रहने का संवैधानिक आधार नहीं रहेगा।

हिन्दी जगत महामंच

www.tvbharatvarsh.in

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक ई-पेपर

प्रदेश का नं. 1 प्रतिष्ठित हिन्दी न्यूज़ ई-पेपर

विज्ञापन दर

साईज	विजिटिंग कार्ड	क्वाटर पेज	हाफ पेज	फुल पेज (अंदर)	फुल पेज (कवर 2 - 3)	फुल पेज (कवर 4 - अंतिम)	(फ्रंट पेज)
रेट	₹ 3000	₹ 6000	₹ 10,000	₹ 20,000	₹ 25,000	₹ 30,000	₹ 100000

8601780000

प्रीपेड व्यवस्था खत्म, अब मिलेगा मासिक बिल

यूपी में स्मार्ट मीटर पर बड़ा फैसला

उत्तर प्रदेश में स्मार्ट/प्रीपेड मीटर को लेकर चल रहे विवाद के बीच ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने अहम फैसला लिया है। अब राज्य में सभी स्मार्ट मीटर पोस्टपेड प्रणाली पर काम करेंगे और प्रीपेड व्यवस्था समाप्त कर दी गई है। उपभोक्ताओं को फिर से हर महीने बिजली बिल मिलेगा और बकाया राशि किस्तों में जमा करने की सुविधा भी दी जाएगी।मंत्री ने संबंधित विभाग को निर्देश दिए हैं कि किसी भी परिस्थिति में एक महीने के भीतर बिजली कनेक्शन न काटा जाए और उपभोक्ताओं की शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए। गौरतलब है कि प्रदेश में प्रीपेड स्मार्ट मीटर को लेकर लगातार विरोध हो रहा था।इस फैसले से उन उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिलेगी जो बार-बार रिचार्ज की अनिवार्यता से परेशान थे। अब किसी तकनीकी समस्या या बिलिंग विवाद की स्थिति में बिजली आपूर्ति बाधित नहीं होगी और उपभोक्ता अपनी सुविधा के अनुसार भुगतान कर सकेंगे।नई व्यवस्था के तहत उपभोक्ता व्हाट्सएप या एसएमएस के जरिए अपने बिजली बिल की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही शिकायतों के समाधान के लिए विभिन्न बिजली वितरण कंपनियों के हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए गए हैं, जबकि 1912 पर भी शिकायत दर्ज कराई जा सकती है।

संयुक्त अरब अमीरात के फुजैराह तेल परिसर पर हमला

नरेंद्र मोदी ने नागरिक ठिकानों पर हमले की कड़ी निंदा की

संयुक्त अरब अमीरात के फुजैराह तेल परिसर पर ड्रोन और मिसाइल हमले में तीन भारतीय घायल हुए। नरेंद्र मोदी ने हमले की निंदा करते हुए नागरिक ठिकानों को निशाना बनाना अस्वीकार्य बताया। भारत ने होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा और कूटनीतिक समाधान पर जोर दिया।

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के फुजैराह स्थित तेल उद्योग परिसर पर हुए ड्रोन और मिसाइल हमलों के बाद भारत ने इस घटना की कड़ी निंदा की है। मंगलवार को हुए इस हमले में तीन भारतीय नागरिक घायल हो गए। घायलों को मामूली चोटें आई हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना ने पश्चिम एशिया में पहले से जारी तनाव को और बढ़ा दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमले पर गहरी चिंता जताते हुए कहा कि नागरिकों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बनाना पूरी तरह अस्वीकार्य है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि भारत यूएई पर हुए हमलों की कड़ी निंदा करता है और इस हमले में घायल हुए भारतीय नागरिकों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस कठिन समय में भारत यूएई के साथ पूरी मजबूती से खड़ा है। फुजैराह का यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब पश्चिम एशिया पहले ही गंभीर संघर्ष के दौर से गुजर रहा है। अमेरिकी प्रशासन ने हाल ही में 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' नामक अभियान शुरू किया था, जिसका उद्देश्य होर्मुज जलडमरूमध्य में फंसे व्यापारिक जहाजों को सुरक्षित निकालना है। इसके तुरंत बाद फुजैराह पेट्रोलियम इंडस्ट्रीज जोन को निशाना बनाया गया। इस घटनाक्रम ने क्षेत्रीय तनाव को और गहरा कर दिया है। होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति के लिहाज से दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में गिना जाता है। पश्चिम एशिया में 28 फरवरी से जारी संघर्ष के बाद यह क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय चिंता का केंद्र बना हुआ है। भारत ने भी इस मार्ग की सुरक्षा को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित और निर्बाध आवागमन क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। भारत के विदेश मंत्रालय ने भी इस हमले पर आधिकारिक प्रतिक्रिया देते हुए इसे अस्वीकार्य बताया। मंत्रालय ने कहा कि भारत सभी पक्षों से तत्काल शत्रुता समाप्त करने की अपील करता है। बयान में यह भी कहा गया कि नागरिक बुनियादी ढांचे और निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाना किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं हो सकता। भारत ने संवाद, कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय कानून के दायरे में रहकर सभी विवादों का शांतिपूर्ण समाधान निकालने की आवश्यकता दोहराई। विदेश मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत होर्मुज जलडमरूमध्य से निर्बाध नौवहन और व्यापार के पक्ष में है। मंत्रालय ने कहा कि क्षेत्र में शांति और स्थिरता बहाल करने के लिए भारत हर उस प्रयास का समर्थन करेगा जो शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में उठाया जाएगा। हालांकि प्रधानमंत्री मोदी और विदेश मंत्रालय के बयानों में किसी देश का नाम सीधे तौर पर नहीं लिया गया, लेकिन यूएई ने इस हमले के लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराया है। यूएई का कहना है कि सोमवार को फुजैराह के तेल उद्योग क्षेत्र पर मिसाइलों और ड्रोन से हमला किया गया, जिससे वहां भीषण आग लग गई।

अरब सागर में पाकिस्तानी नौसेना ने भारतीय पोत की की मदद

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

समुद्र की लहरों के बीच तनाव को किनारे रखकर मानवता की एक नई मिसाल देखने को मिली है। पाकिस्तानी नौसेना ने अरब सागर में तकनीकी खराबी के कारण फंसे एक भारतीय व्यापारिक पोत के चालक दल को महत्वपूर्ण मानवीय और तकनीकी सहायता प्रदान की है। इस अभियान में पाकिस्तानी नौसेना के साथ पाकिस्तान समुद्री सुरक्षा एजेंसी (PMSA) ने भी सक्रिय भूमिका निभाई। समाचारपत्र 'डॉन' ने सोमवार को प्रकाशित अपनी एक खबर में सुरक्षा सूत्रों के हवाले से बताया गया कि बचाव और सहायता अभियान में नौसेना की सहायता पाकिस्तान समुद्री सुरक्षा एजेंसी (पीएमएसए) ने की। खबर में कहा गया कि मुंबई स्थित समुद्री बचाव एवं समन्वय केंद्र ने पाकिस्तानी प्राधिकारियों से संपर्क कर सहायता का अनुरोध किया था जिसके बाद चालक दल की सहायता के लिए अभियान शुरू किया गया। इस चालक दल में छह भारतीय और एक इंडोनेशियाई नागरिक शामिल थे। सूत्रों ने बताया कि ओमान से भारत जा रहे एम.वी. गौतम नामक पोत के चालक दल ने तकनीकी खराबी की सूचना दी। खबर में कहा गया है कि फंसे हुए चालक दल को भोजन, चिकित्सा और तकनीकी सहित आपात सहायता प्रदान की गई। यह पहली बार नहीं है जब पाकिस्तानी नौसेना ने इस तरह का बचाव अभियान चलाया हो। पिछले महीने भी अरब सागर में संकट की सूचना मिलने के बाद, पाकिस्तानी नौसेना ने एक व्यापारिक पोत से विदेशी नागरिकों सहित चालक दल के 18 सदस्यों को सुरक्षित बचाया था। समुद्री कानून और मानवीय आधार पर किए गए इस बचाव कार्य की सराहना की जा रही है, क्योंकि यह समुद्र में सुरक्षा और सहयोग के अंतरराष्ट्रीय मानदंडों को मजबूती प्रदान करता है।

डेटा संग्रह और परामर्श के मध्य चरण में पहुंचा आयोग

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए 8वां वेतन आयोग इस समय सबसे अहम मुद्दों में शामिल है। 3 नवंबर 2025 को औपचारिक रूप से गठित इस आयोग ने अब अपने शुरुआती छह महीने पूरे कर लिए हैं। यह अवधि आयोग को अंतिम सिफारिशें देने के लिए निर्धारित कुल समय का लगभग एक-तिहाई हिस्सा मानी जा रही है। फिलहाल आयोग शुरुआती से मध्य चरण में पहुंच चुका है, जहां उसका मुख्य फोकस डेटा संग्रह, विश्लेषण और विभिन्न हितधारकों से परामर्श पर है। अप्रैल 2026 में आयोग की गतिविधियों में तेजी देखने को मिली। लगभग 10 अप्रैल के आसपास आयोग ने अनुबंध के आधार पर कर्मचारियों की भर्ती शुरू की। यह कदम इसलिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि विस्तृत अध्ययन, आंकड़ों के विश्लेषण और परामर्श प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए एक समर्पित टीम की जरूरत थी। इसके बाद 14 अप्रैल को नेशनल काउंसिल ऑफ जॉइंट कंसल्टेटिव मशीनरी (NC-JCM), जो केंद्र सरकार के कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करती है, ने आयोग को 51 पृष्ठों का विस्तृत ज्ञापन सौंपा। इस ज्ञापन में कर्मचारियों की प्रमुख मांगों, वेतन ढांचे में बदलाव, पेंशन सुधार और सेवा शर्तों से जुड़े कई अहम सुझाव शामिल किए गए।महीने के अंत में आयोग ने दिल्ली में N C - J C M

प्रतिनिधियों के साथ पहली औपचारिक बैठकें कीं। 28 अप्रैल से 30 अप्रैल तक चली इन बैठकों में कर्मचारी संगठनों ने वेतन संरचना, भत्तों, पेंशन और सेवा संबंधी मुद्दों पर अपनी बात रखी। इससे आयोग और कर्मचारी संगठनों के बीच प्रत्यक्ष संवाद की औपचारिक शुरुआत हुई। आगे की प्रक्रिया भी तय हो चुकी है। ज्ञापन जमा करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 31 मई 2026 कर दी गई है। आयोग 18-19 मई को हैदराबाद, 1 से 4 जून तक श्रीनगर और 8 जून को लद्दाख में परामर्श बैठकों का आयोजन करेगा। फिलहाल संकेत साफ हैं कि प्रक्रिया आगे बढ़ रही है, लेकिन धीमी गति से। आने वाले महीनों में ज्यादा चर्चा, डेटा विश्लेषण और परामर्श की उम्मीद है, जबकि अंतिम सिफारिशों के लिए अभी कुछ और इंतजार करना पड़ सकता है।

चीन के हुनान में पटाखा फैक्ट्री में बड़ा विस्फोट

लियुयांग हादसे में 21 लोगों की मौत

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

मध्य चीन के हुनान प्रांत में मंगलवार को एक बड़ा हादसा हो गया, जहां एक पटाखा फैक्ट्री में हुए शक्तिशाली विस्फोट ने 21 लोगों की जान ले ली। इस घटना में लगभग 60 अन्य लोग घायल हुए हैं, जिसके बाद प्रशासन ने युद्ध स्तर पर बचाव अभियान शुरू कर दिया है। विस्फोट लियुयांग शहर स्थित 'हुआशेंग फायरवर्क्स मैन्युफैक्चरिंग एंड डिस्प्ले कंपनी' की एक वर्कशॉप में हुआ। लियुयांग को दुनिया भर में पटाखों के उत्पादन के एक प्रमुख केंद्र के रूप में जाना जाता है। घटनास्थल पर लगभग 500 बचाव कर्मियों को तैनात किया गया और खतरे वाले इलाकों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। अधिकारी फैक्ट्री के 3 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले लोगों को भी वहां से हटा रहे थे, क्योंकि वहां दो गोदामों में रखा काला बारूद अभी भी एक बड़ा खतरा बना हुआ है। शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, यह धमाका लियुयांग में 'हुआशेंग फायरवर्क्स मैन्युफैक्चरिंग एंड डिस्प्ले कंपनी' की एक वर्कशॉप में हुआ। लियुयांग पटाखों के उत्पादन का एक प्रमुख केंद्र है। चीनी सोशल मीडिया पर चल रहे वीडियो फुटेज में घटनास्थल से सफेद धुएं के घने बादल उठते हुए दिखाई दे रहे

थे। धमाके के असर से आस-पास के गांवों में घरों के दरवाज़े और खिड़कियां टूट गईं; लोगों ने बताया कि सड़कों पर बड़े-बड़े पत्थरों समेत मलबा बिखरा पड़ा था। सुरक्षा चिंताओं के चलते कुछ गांव वाले उस इलाके को छोड़कर चले गए। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने इस घटना की तत्काल और पूरी जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे लापता लोगों को ढूंढने और घायलों का इलाज करने के प्रयासों को तेज़ करें। चीन के आपातकालीन प्रबंधन मंत्रालय ने बचाव और राहत कार्यों की देखरेख के लिए एक टीम को घटनास्थल पर भेजा है।

बलूचिस्तान में खनिज संपदा को लेकर बढ़ी वैश्विक खींचतान

चीन के पुराने प्रोजेक्ट अब फिर निशाने पर

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

बलूचिस्तान एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में आ गया है, जहां चीन, अमेरिका और पाकिस्तान के बीच बढ़ती रणनीतिक प्रतिस्पर्धा ने हालात को और तनावपूर्ण बना दिया है। पहले से ही अस्थिर यह क्षेत्र अब खनिज संसाधनों और भू-राजनीतिक हितों की वजह से और अधिक संवेदनशील बन गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान ने अपने खनन क्षेत्र में अमेरिका को बड़ी हिस्सेदारी देने का फैसला किया है। माना जा रहा है कि यह कदम चीन के बढ़ते प्रभाव को संतुलित करने की कोशिश है, जो लंबे समय से चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (CPEC) के तहत बलूचिस्तान में भारी निवेश कर रहा है। इसी बीच एक दिलचस्प खुलासा यह भी सामने आया है कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर ने पिछले वर्ष अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को रत्नों से भरा एक उपहार दिया था, जिसे इस संभावित साझेदारी का संकेत माना जा रहा है। इसके बाद अमेरिका की ओर से करीब 1.3 बिलियन डॉलर के निवेश की संभावना भी सामने आई, जिससे इस क्षेत्र में अमेरिकी कंपनियों की सक्रियता बढ़ने की उम्मीद है। पाकिस्तान इस डील को आर्थिक रूप से गेम चेंजर मान रहा है, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही तस्वीर दिखा रही है।

चीन पहले से ही बलूचिस्तान में बड़े प्रोजेक्ट चला रहा है, लेकिन उसे लगातार स्थानीय विरोध और हमलों का सामना करना पड़ रहा है। बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने इन परियोजनाओं को बार-बार निशाना बनाया है। हाल ही में हुए हमलों में कई क्षेत्रों को प्रभावित किया गया, जिसमें दर्जनों लोगों की मौत की खबरें भी सामने आईं। इन हमलों का मुख्य निशाना वे मार्ग और क्षेत्र रहे हैं जो रेकोडिक खदान जैसे बड़े खनन प्रोजेक्ट से जुड़े हैं। अब स्थिति यह है कि जिन विदेशी निवेशों को पाकिस्तान विकास का आधार मान रहा था, वे सुरक्षा संकट की वजह से कमजोर पड़ते नजर आ रहे हैं। कई अंतरराष्ट्रीय कंपनियों ने भी सुरक्षा कारणों से अपने प्रोजेक्ट की गति धीमी कर दी है। इसके अलावा, बलूच आंदोलन अब पहले से अधिक व्यापक हो गया है। इसमें स्थानीय युवाओं, खासकर शिक्षित वर्ग की भागीदारी बढ़ी है, जो संसाधनों के दोहन और मानवाधिकार उल्लंघन के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं।

संपादक की कलम से

देश में बढ़ती महंगाई आज एक गंभीर चिंता का विषय बन चुकी है। रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं जैसे खाद्यान्न, सब्जियाँ, ईंधन और दवाइयों के दाम लगातार बढ़ रहे हैं, जिससे आम आदमी का जीवन कठिन होता जा रहा है। विशेष रूप से मध्यम वर्ग और निम्न आय वर्ग के लोग इस समस्या से सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। महंगाई का सीधा असर लोगों की क्रय शक्ति पर पड़ता है। पहले जो वस्तुएँ आसानी से खरीदी जा सकती थीं, अब वे बजट से बाहर होती जा रही हैं। परिवारों को अपने खर्चों में कटौती करनी पड़ रही है, जिससे उनके जीवन स्तर पर भी असर पड़ रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भी लोग समझौता करने को मजबूर हो रहे हैं, जो दीर्घकाल में समाज के विकास के लिए हानिकारक है।महंगाई बढ़ने के कई कारण हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, आपूर्ति श्रृंखला में बाधाएँ, प्राकृतिक आपदाएँ और कुछ हद तक सरकारी नीतियाँ भी इसके लिए जिम्मेदार हैं। इसके अलावा, जमाखोरी और कालाबाजारी जैसी समस्याएँ भी स्थिति को और गंभीर बना देती हैं। सरकार द्वारा महंगाई को नियंत्रित करने के लिए विभिन्न कदम उठाए जाते हैं, जैसे कि सब्सिडी देना, करों में कमी करना और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति सुनिश्चित करना। लेकिन कई बार ये उपाय पर्याप्त साबित नहीं होते। जरूरत है कि दीर्घकालिक और प्रभावी नीतियाँ बनाई जाएँ, जो उत्पादन बढ़ाने, वितरण व्यवस्था सुधारने और बाजार में पारदर्शिता लाने पर केंद्रित हों। इसके साथ ही, आम जनता को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। अनावश्यक वस्तुओं की खरीद से बचना, बचत को बढ़ावा देना और स्थानीय उत्पादों का उपयोग करना कुछ ऐसे कदम हैं, जो इस समस्या के प्रभाव को कम करने में सहायक हो सकते हैं। अंततः, महंगाई केवल एक आर्थिक समस्या नहीं है, बल्कि यह सामाजिक स्थिरता और विकास से भी जुड़ी हुई है। यदि समय रहते इस पर नियंत्रण नहीं किया गया, तो इसके गंभीर परिणाम सामने आ सकते हैं। इसलिए सरकार, उद्योग और आम जनता—सभी को मिलकर इस चुनौती का सामना करना होगा, ताकि एक संतुलित और समृद्ध समाज का निर्माण किया जा सके।

बंगाल में भाजपा की प्रचंड जीत,

राहुल गांधी की तीखी प्रतिक्रिया

राहुल गांधी ने पश्चिम बंगाल और असम के चुनाव परिणामों को लेकर कहा कि विपक्ष को एकजुट रहना चाहिए। उन्होंने अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस की हार पर खुशी मनाने वालों की आलोचना की और इसे लोकतंत्र के लिए खतरा बताया।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की भारी जीत के एक दिन बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने विपक्षी दलों को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कांग्रेस के कुछ नेताओं और अन्य विपक्षी दलों के उन नेताओं की कड़ी आलोचना की, जो तृणमूल कांग्रेस की हार पर खुशी जता रहे थे। राहुल गांधी ने कहा कि पश्चिम बंगाल और असम के चुनावी नतीजों को केवल किसी एक दल की हार या जीत के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि इसे भारतीय लोकतंत्र के लिए गंभीर चेतावनी के तौर पर समझना चाहिए। राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस के कुछ लोग और अन्य राजनीतिक दलों के नेता तृणमूल कांग्रेस की हार का मजाक उड़ा रहे हैं। उन्हें यह साफ तौर पर समझने की जरूरत है कि असम और पश्चिम बंगाल के जनादेश की चोरी भारतीय जनता पार्टी के उस बड़े अभियान का हिस्सा है, जिसके जरिए देश के लोकतांत्रिक ढांचे को कमजोर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह समय छोटी राजनीति करने का नहीं है। यह किसी एक पार्टी या दूसरी पार्टी का सवाल नहीं है, बल्कि पूरे भारत के लोकतांत्रिक भविष्य का सवाल है।राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर भी अपनी बात दोहराई। उन्होंने लिखा कि कांग्रेस के कुछ लोग और दूसरे लोग तृणमूल कांग्रेस की हार से खुश हो रहे हैं, लेकिन उन्हें यह समझना चाहिए कि असम और बंगाल में जनादेश की चोरी भारतीय लोकतंत्र को नष्ट करने की दिशा में भाजपा का बड़ा कदम है। उन्होंने विपक्षी दलों से अपील की कि वे आपसी मतभेद भुलाकर लोकतंत्र की रक्षा के लिए एकजुट हों। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 206 सीटों पर जीत हासिल कर पहली बार राज्य में सरकार बनाने की स्थिति बना ली है। वहीं असम में भी भाजपा ने लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी कर अपनी स्थिति और मजबूत कर ली है। इन नतीजों के बाद विपक्षी राजनीति में हलचल तेज हो गई है। खासकर पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की हार ने विपक्षी दलों के भीतर नई बहस छेड़ दी है। पश्चिम बंगाल की निवर्तमान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव परिणाम आने के बाद दावा किया कि राज्य में भाजपा ने लगभग 100 सीटों की "लूट" की है। उनका आरोप था कि चुनावी प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष नहीं रही और कई जगहों पर जनादेश को प्रभावित किया गया। राहुल गांधी ने ममता बनर्जी के इन आरोपों का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग की मदद से भाजपा ने असम और पश्चिम बंगाल दोनों राज्यों में चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित किया है। राहुल गांधी के इस बयान को विपक्षी एकता के संदर्भ में काफी अहम माना जा रहा है। उन्होंने साफ संकेत दिया कि भाजपा के खिलाफ लड़ाई केवल चुनावी मुकाबला नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं और संविधान की रक्षा का संघर्ष है। उनका कहना था कि यदि विपक्ष आपसी प्रतिस्पर्धा और छोटी राजनीतिक सोच में उलझा रहा, तो इसका फायदा भाजपा को ही मिलेगा। राहुल गांधी ने विपक्षी दलों से आह्वान किया कि वे दलगत हितों से ऊपर उठकर देशहित को प्राथमिकता दें, क्योंकि यह लड़ाई सिर्फ सत्ता की नहीं, बल्कि भारत के लोकतांत्रिक चरित्र को बचाने की है।

बिहार में एनडीए सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार की तैयारी तेज

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार 7 मई को होने वाले बड़े मंत्रिमंडल विस्तार की तैयारी में जुटी हुई है। नए मंत्रियों का शपथ ग्रहण समारोह पटना के प्रतिष्ठित गांधी मैदान में आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। मंत्रिपरिषद में मुख्यमंत्री समेत अधिकतम 36 सदस्यों की सीमा निर्धारित है। वर्तमान में राज्य सरकार का नेतृत्व मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी कर रहे हैं। उनके साथ जनता दल (यूनाइटेड) के दो उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी और बिजेंद्र प्रसाद यादव भी सरकार में शामिल हैं।इस बीच, रविवार को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भारतीय जनता पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की थी। इस बैठक के बाद मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर राजनीतिक अटकलें और तेज हो गई हैं। सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भी पटना के गांधी मैदान में होने वाले शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। यह घटनाक्रम उस समय सामने आया है जब हाल ही में राजनीतिक हलचल तेज रही है और विभिन्न राज्यों में चुनावी समीकरण बदलते दिखे हैं। बिहार में मंत्रिमंडल विस्तार को एनडीए के भीतर संतुलन साधने और संगठनात्मक मजबूती के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, नए मंत्रिमंडल में भाजपा के 12, जेडीयू के 11, लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) के 2 तथा हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा और आरएलएम से एक-एक मंत्री शामिल किए जा सकते हैं। इसके अलावा लगभग 6 पद खाली रखे जाने की संभावना है। जेडीयू के मौजूदा सभी 8 मंत्री अपने पद पर बने रहेंगे, जबकि पांच नए चेहरों को शामिल किए जाने की चर्चा है, जिनमें श्वेता गुप्ता, भगवान कुशवाहा, रत्नेश सदा, शीले मंडल और बुलो मंडल के नाम प्रमुख हैं। यह विस्तार आगामी राजनीतिक रणनीतियों को ध्यान में रखते हुए जातीय और क्षेत्रीय संतुलन साधने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

तमिलनाडु में ऑटो ड्राइवर की ऐतिहासिक चुनावी जीत

रॉयपुरम सीट पर 35 साल पुराना राजनीतिक किला ढहा

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

तमिलनाडु की राजनीति में एक बड़ा बदलाव देखने को मिला है, जहां एक साधारण ऑटो ड्राइवर की चुनावी जीत ने सभी को चौंका दिया है। यह कहानी 35 साल से एक ही सीट पर मजबूत पकड़ रखने वाले नेता के खिलाफ एक नए राजनीतिक बदलाव की है, जिसे जनता ने इस बार नकार दिया।रॉयपुरम सीट, जिसे लंबे समय से एआईएडीएमके नेता जय कुमार का गढ़ माना जाता था, वहां इस बार बड़ा उलटफेर हुआ। 1991 के बाद से पांच बार विधायक रह चुके जय कुमार को इस चुनाव में हार का सामना करना पड़ा। उन्हें हराने वाले उम्मीदवार के विजय धामू, जो पहले एक ऑटो ड्राइवर थे, ने 55,000 से अधिक वोट हासिल कर जीत दर्ज की। धामू का जुड़ाव अभिनेता से नेता बने थलापति विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कज़गम (टीवीके) से रहा है।धामू पहले "विजय मक्कल अयक्कम" के सदस्य थे, जो अभिनेता विजय का फैन क्लब नेटवर्क है। यही नेटवर्क बाद में टीवीके के लिए जनसमर्थन जुटाने का आधार बना। धामू की जीत को जनता के बीच मजबूत जुड़ाव और जमीनी स्तर पर किए गए काम का परिणाम माना जा रहा है। 46 वर्षीय धामू केवल आठवीं पास हैं और उनकी पहचान एक आम ऑटो ड्राइवर की रही है, जिनके पास सीमित संपत्ति है और कोई राजनीतिक पृष्ठभूमि नहीं है।चुनाव में टीवीके ने कुल 108 सीटें जीतकर मजबूत प्रदर्शन किया, हालांकि पार्टी बहुमत से 10 सीटें दूर रह गई। डीएमके को 59 और एआईएडीएमके को 47 सीटें मिलीं। कांग्रेस को 5 और अन्य दलों को सीमित सीटें मिलीं। इसके बाद सरकार गठन को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। सूत्रों के अनुसार, टीवीके ने सरकार बनाने के लिए कांग्रेस और पीएमके जैसे दलों से समर्थन की बातचीत शुरू की है। दोनों दलों ने दो-दो मंत्री पद की मांग रखी है। वहीं, वामपंथी दल अभी विचार-विमर्श कर रहे हैं। टीवीके प्रमुख विजय अब नवनिर्वाचित विधायकों से मुलाकात कर आगे की रणनीति तय कर रहे हैं। यह परिणाम तमिलनाडु की राजनीति में एक नए युग की शुरुआत माना जा रहा है।

किरण मजूमदार शॉ ने क्लेयर मजूमदार को चुना उत्तराधिकारी

शिक्षा और शोध को मिली अहमियत

बायोफार्मास्युटिकल कंपनी बायोकॉन की संस्थापक और चेयरपर्सन किरण मजूमदार शॉ ने कंपनी की उत्तराधिकार योजना की घोषणा करते हुए अपनी भांजी क्लेयर मजूमदार को भविष्य का नेतृत्व सौंपने का संकेत दिया है। यह फैसला केवल कॉरपोरेट बदलाव नहीं, बल्कि विज्ञान, शोध और वैश्विक शिक्षा की भूमिका को भी रेखांकित करता है।किरण मजूमदार शॉ ने हाल ही में दिए एक साक्षात्कार में कहा कि 37 वर्षीय क्लेयर मजूमदार कंपनी के अगले विकास चरण का नेतृत्व करने के लिए सबसे उपयुक्त हैं। करीब चार दशक पहले स्थापित बायोकॉन को उन्होंने भारत की प्रमुख बायोफार्मास्युटिकल कंपनियों में शामिल किया। अपनी कोई संतान न होने के कारण वह कंपनी को ऐसे हाथों में सौंपना चाहती थीं जो भविष्य की वैज्ञानिक और कारोबारी चुनौतियों को समझते हों। क्लेयर मजूमदार वर्तमान में बिकारा थेरेप्यूटिक्स की संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं। यह कंपनी बायोकॉन द्वारा इंक्यूबेट की गई थी और 2024 में नैस्डैक पर सूचीबद्ध हुई। आज इसका बाजार पूंजीकरण 1.6 अरब डॉलर से अधिक है। क्लेयर की शैक्षणिक पृष्ठभूमि भी उल्लेखनीय है। उन्होंने मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों से शिक्षा प्राप्त की है। कैंसर बायोलॉजी में उनकी पीएचडी उन्हें वैज्ञानिक दृष्टि से भी मजबूत बनाती है।यह उत्तराधिकार योजना शिक्षा और शोध आधारित नेतृत्व का उदाहरण मानी जा रही है। परिवार के अन्य सदस्य भी इसी दिशा में सक्रिय हैं। क्लेयर के भाई एरिक मजूमदार कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (कैलटेक) में प्रोफेसर हैं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विशेषज्ञ माने जाते हैं। वहीं उनके पति थॉमस रॉबर्ट्स मैसाचुसेट्स जनरल हॉस्पिटल में ऑन्कोलॉजिस्ट हैं। इससे स्पष्ट है कि बायोकॉन का भविष्य विज्ञान, चिकित्सा और तकनीकी नवाचार के साझा आधार पर आगे बढ़ेगा। इसी के साथ बायोकॉन अपने संगठनात्मक ढांचे में भी बड़े बदलाव कर रही है। कंपनी ने अपने जेनेरिक्स और बायोलॉजिक्स व्यवसायों का विलय कर दिया है। साथ ही कर्ज कम करने और कारोबारी संरचना को अधिक सरल बनाने की दिशा में काम जारी है। समूह की अन्य कंपनियों में भी नेतृत्व परिवर्तन देखने को मिल रहा है। श्रीहास तांबे ने बायोकॉन बायोलॉजिक्स के सीईओ और प्रबंध निदेशक का पद संभाल लिया है। वहीं सिद्धार्थ मित्तल 1 जुलाई से सिनजीन इंटरनेशनल का नेतृत्व करेंगे।किरण मजूमदार शॉ के अनुसार समूह की भविष्य की वृद्धि डिफरेंशिएटेड बायोसिमिलर्स, ओरिजिनल बायोलॉजिक दवाओं और रिसर्च एंड डेवलपमेंट में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग पर आधारित होगी।

जीत के बावजूद मुंबई इंडियंस नौवें स्थान पर बरकरार

मुंबई इंडियंस की टीम जीत की राह में लौट आई है। सोमवार को टीम ने IPL में अपना सबसे बड़ा रन चेज किया। लेकिन, लखनऊ सुपर जायंट्स पर जीत के बावजूद मौजूदा सीजन के पॉइंट्स टेबल में मुंबई की स्थिति में बदलाव नहीं हुआ। टीम अब भी 9वें स्थान पर है। वानखेड़े स्टेडियम में टॉस हारकर बैटिंग कर रही लखनऊ ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 228 रन बनाए। मुंबई ने 229 रन का टारगेट 18.4 ओवर में 4 विकेट पर हासिल कर लिया। विल जैक्स ने आवेश खान की बॉल पर छक्का मारकर टीम को जीत दिला दी। मुंबई इंडियंस ने मौजूदा सीजन में लगातार तीन हार के बाद जीत का स्वाद चखा है। वहीं, लखनऊ की टीम ने लगातार छठा मैच गंवाया है। मुंबई ने 10 मैच खेल लिए हैं। टीम के पास 3 जीत के साथ 6 अंक हैं। टीम 7 मैच हारने की वजह से पॉइंट्स टेबल के 9वें स्थान पर है। उसका नेट रन रेट भी माइनस में है। लखनऊ ने 9 में से महज 2 मैच जीते हैं। टीम के पास सबसे कम 4 अंक ही है। लखनऊ पाइंट्स टेबल के सबसे निचले पायदान पर है। मौजूदा सीजन में धोनी के बिना खेल रही चेन्नई प्लेऑफ की रेस कायम है। उसने अब तक 9 मैच खेले हैं और 4 जीत के सहारे 8 अंक हासिल किए हैं। टीम को प्लेऑफ में पहुंचने के लिए बाकी के सभी मुकाबले जीतने होंगे। हारने की स्थिति में टीम को अन्य टीमों के प्रदर्शन निर्भर रहना होगा। अक्षर पटेल की कप्तानी वाली दिल्ली ने भी 9 मैचों में 8 अंक हासिल कर लिए हैं। लेकिन, टीम खराब नेट रन रेट कारण के कारण चेन्नई से एक पायदान नीचे हैं। दिल्ली को भी अभी 5 मैच खेलने हैं। टीम को सभी मैच जीतने होंगे। आज हारने पर दिल्ली को दूसरी टीमों के प्रदर्शन पर निर्भर रहना होगा।

फिल साल्ट चोट के इलाज के लिए इंग्लैंड रवाना, बेंगलुरु को जल्द वापसी की उम्मीद

रघु शर्मा के भावुक जश्न ने जीता सबका दिल

मुंबई इंडियंस ने सोमवार को आईपीएल 2026 के अहम मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स को छह विकेट से हराकर प्लेऑफ की अपनी हल्की उम्मीदों को जिंदा रखा। इस मैच में सबसे ज्यादा चर्चा मुंबई के पदार्पण कर रहे तेज गेंदबाज रघु शर्मा की रही, जिन्होंने आईपीएल में अपना पहला विकेट लेने के बाद अनोखे अंदाज में जश्न मनाया। लखनऊ सुपर जायंट्स की पारी के 13वें ओवर में रघु शर्मा ने अक्षत रघुवंशी को अपनी ही गेंद पर कैच आउट कर आईपीएल का पहला विकेट हासिल किया। विकेट लेने के बाद उन्होंने अपनी जेब से एक छोटा-सा नोट निकाला और स्टैंड्स की ओर दिखाया। उस नोट पर लिखा था, "राधे राधे। गुरुदेव की दिव्य कृपा से आज 15 साल का बहुत दर्द भरा सफर खत्म हुआ। मुझे यह मौका देने के लिए मुंबई इंडियंस का धन्यवाद। सदा आभारी। जय श्री राम।" यह भावुक पल सोशल मीडिया पर भी तेजी से चर्चा का विषय बन गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए लखनऊ सुपर जायंट्स ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 228 रन बनाए। निकोलस पूरन ने 21 गेंदों पर 63 रन की विस्फोटक पारी खेली, जबकि मिचेल मार्श ने 44 रन बनाए। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 94 रन जोड़े। अंत में हिम्मत सिंह ने नाबाद 40 और एडेन मार्करम ने नाबाद 31 रन बनाकर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया।229 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई इंडियंस को रोहित शर्मा और रेयान रिकेल्टन ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 143 रन की तूफानी साझेदारी की। चोट के बाद वापसी कर रहे रोहित शर्मा ने 44 गेंदों में 84 रन बनाए, जिसमें छह चौके और सात छक्के शामिल रहे। वहीं रिकेल्टन ने 32 गेंदों पर 83 रन ठोके। मुंबई ने आठ गेंद शेष रहते चार विकेट पर 229 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।इस जीत के साथ मुंबई के 10 मैचों में छह अंक हो गए हैं, जबकि लखनऊ सुपर जायंट्स लगातार छठी हार के बाद तालिका में सबसे नीचे बनी हुई है।

पावरप्ले को मैच का सबसे अहम चरण मानते हैं केएल राहुल

केएल राहुल ने मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में दिल्ली कैपिटल्स के लिए शीर्ष क्रम में शानदार प्रदर्शन किया है। अगर टीम को शीर्ष चार में जगह बनानी है, तो उनका फॉर्म बेहद अहम रहने वाला है। दिल्ली कैपिटल्स फिलहाल नौ मैचों में चार जीत के साथ अंक तालिका में सातवें स्थान पर है। मंगलवार को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में उसका मुकाबला चेन्नई सुपर किंग्स से होगा। जियोस्टार के कार्यक्रम 'सुपरस्टार्स' में बोलते हुए केएल राहुल ने अपने नए ओपनिंग पार्टनर पथुम निसांका और अपनी बल्लेबाजी भूमिका को लेकर खुलकर बात की। राहुल ने कहा कि पिछले दो-तीन वर्षों में टी20 क्रिकेट, खासकर आईपीएल, काफी बदल गया है। अब मैचों का रुख पावरप्ले में ही तय होने लगा है। उनका मानना है कि जो टीम शुरुआती छह ओवरों में बढ़त बना लेती है, उसके जीतने की संभावना अधिक रहती है। राहुल ने बताया कि इस सीजन से पहले टीम प्रबंधन ने उनसे साफ कहा था कि उन्हें शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी करनी है और खुलकर खेलना है। इसी स्पष्टता ने उन्हें अपनी भूमिका बेहतर ढंग से समझने में मदद की। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य हर मैच में पावरप्ले का पूरा फायदा उठाकर टीम को तेज शुरुआत देना है।

राजस्थान रॉयल्स की नीलामी पर खड़ा हुआ नया विवाद

राजस्थान रॉयल्स की नीलामी प्रक्रिया को लेकर नया विवाद सामने आया है। काल सोमानी के नेतृत्व वाले सोमानी ग्रुप ने पूरी प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए हैं। समूह ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि अंतिम फैसला निष्पक्ष नहीं था और उन्हें समान अवसर नहीं दिया गया। सोमानी ग्रुप का दावा है कि पिछले छह महीनों से वह बोली की दौड़ में सबसे आगे था और उसने कभी अपनी बोली वापस नहीं ली। इसी वजह से कुछ मीडिया रिपोर्टों में उनके नाम वापस लेने की बात पर भी समूह ने आपत्ति जताई। इस बीच लक्ष्मी निवास मित्तल, आदित्य मित्तल और अदार पूनावाला के समूह ने करीब 15,600 करोड़ रुपये में राजस्थान रॉयल्स की 93 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीद ली है। नई संरचना के तहत मित्तल परिवार के पास लगभग 75 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी, जबकि अदार पूनावाला के पास 18 प्रतिशत हिस्सा रहेगा। बाकी 7 प्रतिशत हिस्सेदारी मौजूदा निवेशकों के पास रहेगी, जिनमें मनोज बडाले भी शामिल हैं। इस बड़े सौदे के बाद राजस्थान रॉयल्स इंडियन प्रीमियर लीग की सबसे महंगी फ्रेंचाइजियों में शामिल हो गई है। सोमानी ग्रुप का कहना है कि उसकी बोली 1.63 अरब डॉलर की थी और वह सौदा पूरा करने के लिए पूरी तरह तैयार था। समूह का दावा है कि पर्याप्त फंडिंग होने के बावजूद अंतिम समय में उसकी बोली को नजरअंदाज कर दिया गया। हालांकि सूत्रों के मुताबिक मौजूदा मालिकों को सोमानी ग्रुप के दस्तावेजों और तकनीकी पहलुओं में कुछ कमियां मिली थीं, जिसके बाद मित्तल समूह की बोली को मंजूरी दी गई। सोमानी ग्रुप ने इन दावों को सिरे से खारिज करते हुए इसे अपनी छवि खराब करने की कोशिश बताया है। शेन वॉर्न की कप्तानी में राजस्थान रॉयल्स ने 2008 में इंडियन प्रीमियर लीग का पहला खिताब जीता था।

चीन की सबसे ठंडी कॉफी ने इंटरनेट पर मचाया गदर

हॉट कॉफी और कोल्ड कॉफी तो बहुत तरह के देखें होंगे, लेकिन माइनस 80 डिग्री टेंप्रेचर पर बनने वाली काफी का स्वाद चखना, अपने आप में एक अनोखा अनुभव होता है. इन दिनों सोशल मीडिया पर ऐसी ही एक कॉफी खूब वायरल हो रही है. ऐसी कॉफी चाइना में मिलती है. इंटरनेट पर इन दिनों माइनस 80 डिग्री पर बनने वाली ये काफी काफी चर्चा में हैं. एक इंडियन महिला ने वीडियो शेयर कर इसके बनने से लेकर, इसका स्वाद चखने तक का पूरा वीडियो शेयर किया है. वीडियो की शुरुआत देखकर तो पहले डर लग जाता है कि आखिर इतनी ठंडी कॉफी लोग पीएंगे कैसे? सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर @swatiandprateek नाम के हैंडल से एक वीडियो शेयर की गई है. यह वीडियो यूजर के पर्सनल एक्सपीरियंस पर बेस्ड है. ⊙

पायलट ने माइक थामकर किया महिला का शुक्रिया

डोनट्स से खुशनुमा हुआ फ्लाइट का माहौल

एक सामान्य इंडिगो फ्लाइट उस समय खास बन गई, जब पायलट ने एक यात्री के लिए अलग अंदाज में अनाउंसमेंट किया. यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है साथ ही लोगों को काफी पसंद आ रहा है. वीडियो को इंस्टाग्राम पर मनीक मेहता ने शेयर किया है. इसमें पायलट फ्लाइट के बीच माइक लेकर एक खास घोषणा करते नजर आते हैं. आमतौर पर जहां फ्लाइट में सुरक्षा और यात्रा से जुड़ी घोषणाएं सुनाई देती हैं, वहीं इस बार पायलट का अंदाज कुछ अलग था. पायलट ने कहा कि स्पेशल शाउटआउट मिस शेट्टी के लिए, जिन्होंने आज क्रू के लिए डोनट्स लाए. हम

पायलट ने महिला को कॉफी ऑफर की और शुक्रिया अदा किया.

ऐसे व्यवहार और दयालुता को प्रोत्साहित करते हैं. इस घोषणा ने तुरंत यात्रियों का ध्यान खींच लिया. इसके बाद पायलट ने मजाकिया अंदाज में उस यात्री को तलाशने की कोशिश की. उन्होंने पूछा कि क्या वह एयरलाइन से जुड़ी हैं या स्टाफ ट्रैवल पर हैं. ⊙

लोगों का रिएक्शन वायरल

वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने इसे खूब सराहा. कई यूजर्स ने कहा कि यह एक छोटा लेकिन दिल छू लेने वाला पल था. कुछ लोगों ने लिखा कि ऐसे जेस्चर फ्लाइट के अनुभव को खास बना देते हैं.वहीं कुछ यूजर्स ने कहा कि फ्लाइट क्रू के प्रति आभार जताना जरूरी है, क्योंकि वे यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं. ⊙

मुंबई के फ्लैट का वीडियो देख चकराया लोगों का सिर

मुंबई के बांद्रा में अपने 2BHK फ्लैट की झलक दिखाती एक महिला का वीडियो इंस्टाग्राम पर वायरल हो रहा है. इस वीडियो में महिला ने इतना अधिक रेंट होने के बावजूद अपने फ्लैट को अंत में प्राइसलेस बताया है. ऐसा कहने के पीछे एक बड़ी वजह इस वीडियो में सामने आई है. वीडियो पर कई लोगों ने शहर में आसमान छूते किराए पर अपना ऑनलाइन रिएक्शन भी दिया है.यह वीडियो आर्य कोठारी नाम के शख्स ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है. ⊙

एसी सर्विस से मना करने वाले शख्स ने जीता दिल

300 रूपये के लिए जान क्यों दांव पर लगाऊं?

सोशल मीडिया पर एक एसी टेक्नीशियन का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह एक खतरनाक जगह पर लगे एसी की सर्विस करने से साफ मना कर देता है. यह मामला खारघर की एक ऊंची बिल्डिंग का बताया जा रहा है, जहां 23वीं मंजिल पर एसी का आउटडोर यूनिट बालकनी से काफी दूर बाहर की तरफ लगाया गया है. वीडियो में टेक्नीशियन लोगों को समझाता है कि वह इस काम को क्यों नहीं कर सकता. वह दिखाता है कि एसी यूनिट इतनी खतरनाक जगह पर लगी है कि वहां तक पहुंचना आसान नहीं है. अगर कोई व्यक्ति वहां सर्विस करने जाता है, तो गिरने का खतरा बहुत ज्यादा है. टेक्नीशियन कहता है

कि सिर्फ 300–400 रुपये के लिए कोई अपनी जान खतरे में क्यों डालेगा. वह आगे कहता है कि अगर काम करते समय कोई हादसा हो जाता है, तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? उसके मुताबिक, इस तरह के काम में कोई भी सुरक्षा इंतजाम नहीं किए गए हैं, जैसे कि सेफ्टी बेल्ट, मजबूत प्लेटफॉर्म या अन्य जरूरी उपकरण. ऐसे में वहां काम करना बहुत ही खतरनाक है. ⊙

मेकिंग का वीडियो देख उड़ जाएंगे होश

आखिर कैसे बनती है 1 रूपये वाली चुस्की?

जैसे ही गर्मी ने अपना रंग दिखाना शुरू किया, सोशल मीडिया पर भी उसी के हिसाब से वीडियो शेयर होने लगे हैं. कहीं मिट्टी पर पापड़ सेंकने वाली महिला के वीडियो आ रहे हैं तो कहीं कोल्ड ड्रिंक से जुड़े वीडियो शेयर हो रहे हैं. इसी बीच, सोशल प्लेटफॉर्म पर 1 रुपये वाली चुस्की के वीडियो भी शेयर हो रहे हैं, जिनमें दिखाया जा रहा है कि आखिर इसे कैसे बनाया जाता है. इन वीडियो पर कई लोग कमेंट कर रहे हैं कि इन वीडियो ने बचपन की याद दिला दी जबकि कुछ लोग इस चुस्की को बनाए जाने के तरीके पर बात कर रहे हैं. वीडियो में दिख रहा है कि इन्हें बहुत ही गंदे तरीके से बनाया जा रहा है. तो आज इन वीडियो के जरिए देखते हैं कि आखिर 1 रुपये वाली चुस्की कैसे बनती है. वायरल हो रहे वीडियो

सोशल मीडिया पर चुस्की पैकेट्स के वीडियो वायरल हो रहे हैं.

में दिखाया जा रहा है कि इन चुस्की में सिर्फ कैमिकल कलर मिलाए जा रहे हैं. पहले पानी में कलर घोला जाता है और फिर कलर डालकर इसे तैयार किया जा रहा है. एक मिल्क चुस्की वाले वीडियो में दिख रहा है कि पहले दूध को गर्म किया जा रहा है और फिर एक खास तरह के कलर से एक घोल तैयार किया जा रहा है. इसके बाद पानी से साथ उसमें वो कलर मिलाया जा रहा है और उन्हें पैक कर दिया जा रहा है. वहीं, एक वीडियो में दिख रहा है कि पानी में चीनी डालकर गर्म किया जा रहा है और फिर उसमें कलर मिलाकर अलग बाल्टियों में भरा जा रहा है. इसके बाद उन्हें छोटी प्लास्टिक की थैलियों में भरा जा रहा है और मशीन के जरिए पैक किया जा रहा है. ⊙

बाबिल खान की वापसी

लंबे ब्रेक के बाद फिर शुरू किया काम

दिवंगत अभिनेता इरफान खान के बेटे बाबिल खान एक बार फिर अपने काम पर लौट आए हैं। लंबे समय से कैमरे और फिल्मी दुनिया से दूरी बनाए रखने के बाद बाबिल की यह वापसी उनके फैंस के लिए राहत भरी खबर लेकर आई है। दरअसल, बीते कुछ महीनों से बाबिल मानसिक तनाव से जूझ रहे थे, जिसके चलते उन्होंने शूटिंग और सार्वजनिक जीवन से खुद को दूर कर लिया था। इस दौरान उन्होंने सोशल मीडिया पर भी कम ही सक्रियता दिखाई और अपने निजी जीवन पर ध्यान केंद्रित किया। बाबिल खान पहले भी अपने संवेदनशील स्वभाव और भावनात्मक अभिव्यक्ति के लिए जाने जाते रहे हैं। कुछ समय पहले उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री को लेकर एक वीडियो साझा किया था, जिसमें उन्होंने बॉलीवुड को "फेक" बताया था। इस वीडियो में वह काफी भावुक नजर आए थे, जिसके बाद यह मामला काफी चर्चा में रहा। इसके बाद उन्होंने सोशल मीडिया से दूरी बना ली थी, जिससे उनके प्रशंसकों को उनकी चिंता भी होने लगी थी। हालांकि अब बाबिल ने एक साल के लंबे ब्रेक के बाद अपने करियर की नई शुरुआत करने का फैसला किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी कुछ नई तस्वीरें साझा की हैं, जिनमें वह मुस्कुराते हुए और पहले से ज्यादा आत्मविश्वासी नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों के साथ उन्होंने एक इमोशनल नोट भी लिखा, जिसने उनके फैंस को काफी भावुक कर दिया।बाबिल ने अपने संदेश में लिखा, "मैं अपने काम के दूसरे शेड्यूल की शुरुआत कर रहा हूं। मैं बस आपको बताना चाहता हूं कि मैं आपसे बहुत प्यार करता हूं और आपका साथ मेरे लिए बहुत कीमती है। मैं जी-जान लगाकर मेहनत करूंगा ताकि स्क्रीन पर मुझे देखना आपके लिए यादगार रहे। उम्मीद है कि जल्द ही हम स्क्रीन पर मिलेंगे।" उनके इस संदेश से साफ है कि वह अपने काम को लेकर बेहद गंभीर हैं और अपने फैंस की उम्मीदों पर खरा उतरना चाहते हैं।बाबिल खान ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत साल 2022 में फिल्म कला से की थी। इस फिल्म में उनके अभिनय को दर्शकों और समीक्षकों दोनों ने सराहा था। इसके बाद उन्होंने द रेलवे मेन में भी काम किया, जहां उनकी परफॉर्मेंस को काफी पसंद किया गया। यह सीरीज नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी और इसमें बाबिल की भूमिका ने उन्हें एक उभरते हुए अभिनेता के रूप में स्थापित किया। फिलहाल बाबिल अपने नए प्रोजेक्ट की शूटिंग में व्यस्त हैं, हालांकि उन्होंने अभी तक इस प्रोजेक्ट के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की है। बावजूद इसके, उनकी वापसी ने उनके फैंस के बीच उत्साह बढ़ा दिया है। लंबे समय बाद उनकी मुस्कुराती तस्वीरों ने यह संकेत दिया है कि वह अब पहले से बेहतर स्थिति में हैं और अपने काम पर पूरी तरह ध्यान देने के लिए तैयार हैं।बाबिल खान की यह वापसी न केवल उनके करियर के लिए अहम है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि कठिन समय के बाद मजबूत होकर लौटना संभव है। उनके फैंस अब बेसब्री से उनके आगामी प्रोजेक्ट का इंतजार कर रहे हैं और उम्मीद कर रहे हैं कि वह एक बार फिर अपने अभिनय से सभी का दिल जीतेंगे।

लखनऊ में बड़े मंगल पर भक्ति और सेवा का महासंगम

हनुमान मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़

ज्येष्ठ के पहले बड़े मंगल पर लखनऊ में 1000 से अधिक भंडारे आयोजित हुए। हनुमान जी मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। जिलाधिकारी विशाख जी. ने भंडारे में पूड़ी बांटी, जबकि युवाओं ने गन्ने के रस और मैंगो शेक का वितरण कर सेवा का संदेश दिया।

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

ज्येष्ठ महीने के पहले बड़े मंगल के अवसर पर लखनऊ में आस्था, उत्साह और सेवा का अद्भुत संगम देखने को मिला। शहर भर में 1000 से अधिक स्थानों पर भंडारों का आयोजन किया गया, जहां श्रद्धालुओं और आम लोगों के लिए प्रसाद वितरण किया गया। नगर निगम के अनुसार, इस विशेष अवसर पर 348 भंडारों का आधिकारिक रूप से पंजीकरण किया गया है, जिससे आयोजन की व्यापकता का अंदाजा लगाया जा सकता है। इस पावन दिन पर सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। सोमवार रात 12 बजे के बाद से ही हनुमान जी की पूजा-अर्चना शुरू हो गई थी। भक्तों ने बजरंगबली के समक्ष हाथ जोड़कर, कान पकड़कर अपने अपराधों की क्षमा मांगी और सुख-समृद्धि की कामना की। शहर के प्रमुख मंदिरों जैसे अलीगंज हनुमान मंदिर, हनुमान सेतु मंदिर, लेटे हनुमान मंदिर और हनुमंत धाम में दर्शन के लिए लंबी कतारें देखी गईं। भंडारों की बात करें तो शहर के अलग-अलग इलाकों में विविध प्रकार के प्रसाद वितरित किए गए। हजरतगंज में एक युवक ने अनोखी पहल करते हुए 4 क्विंटल गन्ने के रस का भंडारा कराया। उसने बताया कि कॉमर्शियल सिलेंडर महंगा होने के कारण बिना सिलेंडर के ही यह आयोजन किया गया। दोस्तों के सहयोग से 4 क्विंटल गन्ना और 1 क्विंटल बर्फ का इंतजाम किया गया, जिससे श्रद्धालुओं को ठंडा और ताजगी भरा प्रसाद मिल सका। युवक ने इसे बजरंगबली की कृपा बताया। इसी तरह परिवर्तन चौक पर मैंगो शेक का भंडारा आयोजित किया गया, जिसने लोगों को आकर्षित किया। शहर के कई अन्य हिस्सों में पूड़ी-सब्जी, हलवा, शरबत और अन्य प्रसाद का वितरण पूरे दिन चलता रहा।इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी भी पीछे नहीं रहे। जिलाधिकारी विशाख जी. ने यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन द्वारा यूपी प्रेस क्लब में आयोजित भंडारे में शामिल होकर श्रद्धालुओं को पूड़ी वितरित की। उनकी उपस्थिति ने कार्यक्रम को और भी विशेष बना दिया।वहीं, योगी आदित्यनाथ ने भी इस पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सोशल मीडिया पर हनुमान जी की तस्वीर साझा करते हुए लिखा—"नमो हनुमते तुभ्यं नमो मारुतसूनवे। नमः श्रीरामभक्ताय श्यामास्याय च ते नमः॥ ज्येष्ठ माह के प्रथम मंगलवार 'बड़ा मंगल' की सभी भक्तों एवं प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं। प्रभु श्री राम के परम भक्त, संकटमोचन हनुमान जी से प्रार्थना है कि सभी पर अपनी कृपादृष्टि बनाए रखें और जन-जन के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि एवं आरोग्यता का वास हो।"कुल मिलाकर, बड़े मंगल के इस अवसर पर लखनऊ में श्रद्धा, सेवा और सामाजिक एकता का अनूठा उदाहरण देखने को मिला, जहां हर वर्ग के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और इस पर्व को यादगार बना दिया।

लखनऊ में सुबह से छाए बादल, हल्की बूंदाबांदी

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में आज (मंगलवार को) सुबह से बादल छाए हुए हैं। कहीं-कहीं हल्की बूंदाबांदी भी हुई। सोमवार को सुबह जोरदार आंधी-बारिश के बाद तापमान सामान्य से 10.4°C कम दर्ज हुआ। आज मौसम ठंडा बना रहेगा। तापमान 31°C से 21°C के बीच रहेगा। मौसम विभाग ने दिन में धूलभरी आंधी चलने के साथ 1 से 2 बार बारिश का अलर्ट जारी किया है। सोमवार को आई जोरदार आंधी और झमाझम बारिश के दरम्यान अधिकतम तापमान 29°C दर्ज हुआ। यह सामान्य से 10.4°C कम था। वहीं, न्यूनतम तापमान 24°C रहा जो सामान्य से 0.4°C कम था। अधिकतम नमी 80 फीसदी और न्यूनतम 40 फीसदी दर्ज हुई। दिनभर में कुल 5.3 mm बारिश दर्ज हुई जो सामान्य से 1667 फीसदी अधिक थी। सुबह राहत के बाद आज दोपहर तक तापमान में बढ़ोतरी होगी। पारा 31 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। दिन में हल्की धूप निकलने से उमस के साथ गर्मी का असर फिर महसूस होगा।वहीं, हवा की रफ्तार करीब 11 किलोमीटर प्रतिघंटे के हिसाब से रहेगी। बुधवार से शुक्रवार तक मौसम साफ रहने का अनुमान है और तापमान 32 से 34 डिग्री तक जा सकता है। इस दौरान धूप तेज रहेगी और गर्मी का असर बढ़ेगा। मौसम विभाग के अनुसार, सप्ताह के अंत यानी शनिवार को गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना है। इससे तापमान में हल्की गिरावट आ सकती है और लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी।

लखनऊ पहुंची रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु,

विराट कोहली पर टिकी नजरें

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में शानदार प्रदर्शन कर रही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम सोमवार देर शाम लखनऊ पहुंच गई। पिछले सीजन की चैंपियन बेंगलुरु इस समय अंक तालिका में दूसरे स्थान पर बनी हुई है और टीम का आत्मविश्वास काफी ऊंचा है। लखनऊ पहुंचने वाली टीम में स्टार बल्लेबाज विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल और मुख्य कोच एंडी फ्लावर भी शामिल रहे। देर रात विराट कोहली को एयरपोर्ट पर ब्लैक टी-शर्ट में देखा गया, जहां प्रशंसकों ने उनका जोरदार स्वागत किया। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु मंगलवार को इकाना स्टेडियम में अभ्यास सत्र के जरिए अपने अगले मुकाबले की तैयारियों को अंतिम रूप देगी। 7 मई को बेंगलुरु का मुकाबला मेजबान लखनऊ सुपर जायंट्स से होना है। यह मैच दोनों टीमों के लिए अलग-अलग मायने रखता है। बेंगलुरु जहां प्लेऑफ की दौड़ में अपनी स्थिति और मजबूत करना चाहेगी, वहीं लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम के लिए यह मुकाबला केवल सम्मान बचाने का अवसर रह गया है। लखनऊ सुपर जायंट्स को 4 मई को मुंबई इंडियंस के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के साथ ही टीम की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें लगभग समाप्त हो चुकी हैं। टीम के खिलाड़ी मंगलवार शाम तक लखनऊ पहुंचेंगे और बुधवार से अभ्यास शुरू करेंगे। बेंगलुरु के लिए मौजूदा सीजन अब तक काफी सफल रहा है। बल्लेबाजी विभाग में विराट कोहली ने 379 रन बनाकर टीम की अगुवाई की है। उनके अलावा देवदत्त पडिक्कल ने 282 रन और कप्तान रजत पाटीदार ने 257 रन

बनाकर महत्वपूर्ण योगदान दिया है। गेंदबाजी में अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार 17 विकेट लेकर टीम के सबसे सफल गेंदबाज बने हुए हैं। पिछले मुकाबले में लखनऊ को हराने के बाद बेंगलुरु का आत्मविश्वास और बढ़ा है। टीम एक बार फिर जीत के इरादे से मैदान में उतरेगी। दूसरी ओर, लखनऊ के इकाना स्टेडियम में क्रिकेट प्रेमियों के बीच सबसे ज्यादा उत्साह विराट कोहली को बल्लेबाजी करते देखने को लेकर है। दर्शक एक बार फिर "किंग कोहली" के विराट शो का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

कॉमर्शियल सिलेंडर महंगा होने से फूड कारोबारियों का मुनाफा घटा

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में कॉमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम बढ़ने का असर अब सीधे फूड कारोबार पर दिखने लगा है। होटल, रेस्टोरेंट, ढाबा और छोटे भोजनालय चलाने वाले व्यापारियों का कहना है कि उनके मुनाफे में करीब 20 प्रतिशत तक गिरावट आ गई है। सबसे बड़ी चिंता यह है कि बढ़ती लागत के बावजूद वे खाने-पीने की चीजों के दाम बढ़ाने से बच रहे हैं, क्योंकि ऐसा करने पर ग्राहकों की संख्या कम होने का डर है।व्यापारियों का कहना है कि खाद्य सामग्री, तेल, सब्जियों और अन्य जरूरी सामान की कीमतें पहले से ही ऊंची बनी हुई थीं। अब कॉमर्शियल सिलेंडर महंगा होने से रसोई का खर्च और बढ़ गया है। इसके बावजूद अधिकांश दुकानदार फिलहाल मेन्यू के दाम बढ़ाने का जोखिम नहीं लेना चाहते। उनका मानना है कि थोड़ी सी कीमत बढ़ने पर ग्राहक दूसरे विकल्प तलाशने लगते हैं।अल-जाइका के संचालक मोहम्मद अनवर ने बताया कि अचानक खाने-पीने की चीजों के दाम बढ़ाना आसान नहीं है। उन्होंने कहा कि ग्राहक कीमतों को लेकर बेहद संवेदनशील है। अगर रेट बढ़ाए गए तो ग्राहक कम हो सकते हैं, जिसका सीधा असर कारोबार पर पड़ेगा। उनके मुताबिक फिलहाल व्यापारियों को अपने मुनाफे में कटौती करके काम चलाना पड़ रहा है। चारबाग में वेज भोजनालय चलाने वाले आकाश का कहना है कि यदि यही स्थिति बनी रही तो व्यापारियों के सामने गुणवत्ता से समझौता करने की मजबूरी पैदा हो सकती है।

हाईकोर्ट के वकील ने पड़ोसी पर SUV चढ़ाने की कोशिश का लगाया आरोप

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ के महानगर इलाके स्थित एल्डिको बसेरा अपार्टमेंट में रहने वाले हाईकोर्ट के एक वकील ने पड़ोसी पर जान से मारने की कोशिश का आरोप लगाया है। उसने कहा है कि जान से मारने की नीयत से पड़ोसी ने SUV चढ़ाने की कोशिश की। मामले में महानगर थाने में मुकदमा दर्ज कर पुलिस जांच में जुट गई है। पीड़ित वकील अभिषेक तिवारी के मुताबिक, 30 अप्रैल की रात करीब 11:55 बजे वह अपने ड्राइवर गोविंद के साथ चैंबर से घर लौटे थे। आरोप है कि जैसे ही वह अपनी MG हेक्टर से उतरकर अपार्टमेंट के भीतर जाने लगे, तभी सामने से तेज रफ्तार सफेद फॉर्च्यूनर लेकर पहुंचे पड़ोसी करन कुमार ने उन पर गाड़ी चढ़ाने की कोशिश की। अभिषेक का कहना है कि उन्होंने किसी तरह किनारे हटकर अपनी जान बचाई, जबकि ड्राइवर गोविंद ने भी तत्परता दिखाते हुए वाहन हटाकर टक्कर टाल दी। उनका आरोप है कि यदि कुछ सेकेंड की भी देरी होती तो बड़ा हादसा हो सकता था। पीड़ित के मुताबिक, घटना के बाद ड्राइवर गोविंद ने विरोध किया तो आरोपी भड़क गया। आरोप है कि करन कुमार ने गाली-गलौज करते हुए धमकी दी- 'आज तो तुम्हारा मालिक बच गया, लेकिन कब तक बचेगा।' तहरीर में यह भी आरोप लगाया गया है कि आरोपी ने खुद को रसूखदार बताते हुए कहा कि पुलिस और अधिकारी उसका कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगे।

अजय राय को मेदांता अस्पताल से मिली छुट्टी

डॉक्टरों ने अजय राय को कुछ दिन आराम की सलाह दी

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को मंगलवार को मेदांता अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। मंगलवार सुबह डॉक्टरों के राउंड के बाद उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज करने की अनुमति दी गई। चिकित्सकों ने अगले कुछ दिनों तक आराम करने और नियमित फॉलोअप कराने की सलाह दी है। फिलहाल उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। अजय राय को 1 मई की शाम अचानक बेचैनी, घबराहट और बेहोश होने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। शुरुआती स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें इमरजेंसी में भर्ती कर आईसीयू में निगरानी में रखा था। उनकी तबीयत बिगड़ने की खबर के बाद वाराणसी से लेकर नई दिल्ली तक राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई थी। अस्पताल में भर्ती होने के अगले ही दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया के जरिए उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की। इस दौरान डॉक्टरों की टीम लगातार उनकी सेहत पर नजर बनाए हुए थी। आवश्यक चिकित्सकीय जांचें कराई गईं और उनकी स्थिति को देखते हुए उन्हें आईसीयू में रखा गया। डॉ. दिलीप दुबे की निगरानी में उनका इलाज शुरू किया गया। शुरुआती चरण में ब्रेन स्ट्रोक या हार्ट अटैक की आशंका को ध्यान में रखते हुए कई जांचें की गईं। डॉक्टरों के मुताबिक, चार दिनों तक लगातार इलाज और निगरानी के बाद उनकी हालत में लगातार सुधार दर्ज किया गया।डॉक्टरों ने बताया कि अब उनकी स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और जरूरी चिकित्सकीय मानकों पर सुधार मिलने के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी देने का फैसला लिया गया। अस्पताल प्रशासन ने उन्हें फिलहाल कुछ दिन पूर्ण आराम करने की सलाह दी है। बताया गया कि जिस समय उनकी तबीयत बिगड़ी, वह पार्टी मुख्यालय में एक कार्यक्रम में मौजूद थे। अचानक बेहोश होने के बाद उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया था। अब स्वास्थ्य में सुधार के बाद उनके समर्थकों और पार्टी कार्यकर्ताओं ने राहत की सांस ली है।

उन्नाव में किसानों को फसल बीमा क्षतिपूर्ति वितरित

किसानों को मिला बीमा मुआवजा

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव जनपद के विकास भवन सभागार में मंगलवार को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत क्षतिपूर्ति वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता सदर विधायक पंकज गुप्ता ने की, जबकि मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) कृति राज भी मुख्य रूप से उपस्थित रहीं। जिले के विभिन्न ब्लॉकों और गांवों से बड़ी संख्या में किसान इस कार्यक्रम में शामिल हुए और योजना से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। कार्यक्रम के दौरान खरीफ 2025 तथा रबी 2025-26 मौसम के लिए बीमित किसानों को मिलने वाली क्षतिपूर्ति के विषय में विस्तार से जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना तथा पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना के तहत पात्र किसानों को उनकी क्षति के अनुसार मुआवजा प्रदान किया गया है। यह धनराशि पीएफएमएस (पब्लिक फाइनेंशियल मैनेजमेंट सिस्टम) के माध्यम से सीधे किसानों के बैंक खातों में भेजी गई है, जिससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और समयबद्ध बनी है। इस अवसर पर विधायक पंकज गुप्ता ने लाभान्वित किसानों को प्रतीकात्मक चेक वितरित किए। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि सरकार किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि

फसल बीमा योजना किसानों के लिए एक मजबूत सुरक्षा कवच के रूप में कार्य कर रही है, जो प्राकृतिक आपदाओं, अनियमित वर्षा, ओलावृष्टि या अन्य मौसमीय कारणों से होने वाले नुकसान की भरपाई करती है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे इस योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और समय पर बीमा करवाएं। मुख्य विकास अधिकारी कृति राज ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि शासन की प्राथमिकता है कि प्रत्येक पात्र किसान तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे। उन्होंने कहा कि फसल बीमा योजना किसानों को जोखिम से बचाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। सीडीओ ने किसानों को जागरूक करते हुए कहा कि वे समय पर प्रीमियम जमा करें और अपनी फसलों का बीमा अवश्य कराएं, ताकि किसी भी प्रकार की प्राकृतिक आपदा की स्थिति में उन्हें आर्थिक सहायता मिल सके। कार्यक्रम में उप कृषि निदेशक रवि चंद्र प्रकाश, जिला कृषि अधिकारी शशांक चौधरी, कृषि रक्षा अधिकारी भीम सेन और यूनिवर्सल सोम्पो जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के जिला प्रबंधक शिवम अवस्थी सहित कई विभागीय अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने किसानों की समस्याएं भी सुनीं और उन्हें योजनाओं से संबंधित मार्गदर्शन प्रदान किया।समापन के दौरान किसानों ने इस पहल की सराहना की और सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। इस प्रकार का आयोजन किसानों के बीच जागरूकता बढ़ाने और उन्हें योजनाओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

उन्नाव में किसानों की बैठक, 300 यूनिट मुफ्त बिजली की मांग तेज

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के ट्रांस गंगा सिटी क्षेत्र के मुरलीपुर गांव में किसानों की एक बैठक आयोजित की गई। इस दौरान किसान आंदोलन के प्रदेश संयोजक अजय अनमोल ने उत्तर प्रदेश में 300 यूनिट मुफ्त बिजली लागू करने की जोरदार मांग उठाई। अजय अनमोल ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली, बिहार और राजस्थान जैसे पड़ोसी राज्यों में मुफ्त बिजली की योजना पहले से लागू है, जहां लोगों को इसका लाभ मिल रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब इन राज्यों में यह सुविधा उपलब्ध है, तो उत्तर प्रदेश के लोगों को इससे वंचित क्यों रखा जा रहा है। अनमोल ने इसे प्रदेशवासियों के साथ भेदभाव बताते हुए सरकार से इस पर गंभीरता से विचार करने की मांग की। उन्होंने जोर दिया कि अन्य राज्यों की तरह प्रदेश के लोगों को भी यह सुविधा मिलनी चाहिए, क्योंकि यह उनका अधिकार है। उन्होंने अपने संबोधन में उत्तर प्रदेश के ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यह प्रदेश देश को दो प्रधानमंत्री दे चुका है और यहां भगवान राम व कृष्ण की जन्मभूमि, काशी विश्वनाथ तथा गंगा-यमुना जैसी पवित्र नदियां व संगम स्थल हैं। ऐसे में यहां के लोगों को बुनियादी सुविधाओं से वंचित रखना उचित नहीं है। प्रदेश संयोजक ने तर्क दिया कि यदि सरकार 300 यूनिट मुफ्त बिजली लागू करती है, तो इससे आम जनता को सीधा लाभ मिलेगा। साथ ही स्मार्ट मीटर को लेकर चल रहा विरोध भी स्वतः समाप्त हो जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि इस फैसले से सरकार को राजनीतिक रूप से भी लाभ मिल सकता है।

उन्नाव में शिक्षामित्र सम्मान समारोह का आयोजन

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव शहर के निराला प्रेक्षागृह में शिक्षामित्र सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जिले भर से आए शिक्षामित्रों को सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी घनश्याम मीणा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, शिक्षकगण और बड़ी संख्या में शिक्षामित्र मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और अतिथि स्वागत के साथ हुई। जिलाधिकारी घनश्याम मीणा ने अपने संबोधन में बताया कि प्रदेश स्तर पर मुख्यमंत्री ने गोरखपुर से इस कार्यक्रम की शुरुआत की थी, जिसके क्रम में यह आयोजन जिला स्तर पर किया गया है। उन्होंने जानकारी दी कि जिले में लगभग 1300 शिक्षामित्र कार्यरत हैं, जिन्हें इस अवसर पर सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम राज्य सरकार द्वारा शिक्षामित्रों के मानदेय में की गई वृद्धि के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। समारोह के दौरान कुछ चयनित शिक्षामित्रों को मंच पर बुलाकर सम्मानित किया गया और उन्हें प्रतीकात्मक रूप से डेमो चेक भी प्रदान किए गए। इस अवसर पर मौजूद विधायक और एमएलसी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने शिक्षामित्रों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि वे शिक्षा व्यवस्था की मजबूत कड़ी हैं और उनके प्रयासों से प्राथमिक शिक्षा को मजबूती मिल रही है। जिलाधिकारी ने कहा कि ऐसे आयोजनों से शिक्षामित्रों का मनोबल बढ़ता है और उन्हें बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस कार्यक्रम से सकारात्मक संदेश जाएगा और जिले की शिक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया। आयोजन के दौरान शिक्षामित्रों में उत्साह देखने को मिला और उन्होंने सरकार के इस कदम की सराहना की। यह कार्यक्रम शिक्षामित्रों के सम्मान और प्रोत्साहन के लिए एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

उन्नाव में आम उत्पादकों और व्यापारियों के लिए हुआ बड़ा सम्मेलन

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के धौरा स्थित कृषि विज्ञान केंद्र में मंगलवार को आम क्रेता-विक्रेता सम्मेलन एवं संतुलित उर्वरक उपयोग पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) कृति राज ने की। इस अवसर पर कृषि एवं उद्यान विभाग के अधिकारी, वैज्ञानिक, आम उत्पादक,व्यापारी और विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आम उत्पादकों, व्यापारियों और संबंधित संस्थाओं को एक साझा मंच प्रदान करना था। इसका लक्ष्य आम उत्पादन, भंडारण और विपणन से जुड़ी समस्याओं पर विचार-विमर्श कर उनके व्यावहारिक समाधान खोजना था। प्रतिभागियों ने आम की गुणवत्ता सुधारने, बेहतर विपणन व्यवस्था स्थापित करने और उत्पादकों को लाभकारी मूल्य दिलाने जैसे मुद्दों पर अपने विचार साझा किए। मुख्य विकास अधिकारी कृति राज ने अपने संबोधन में कहा कि प्रशासन किसानों और आम उत्पादकों के हितों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने आश्वासन दिया कि उत्पादन से लेकर विपणन तक हर स्तर पर किसानों को सहयोग दिया जाएगा, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सके। सीडीओ ने किसानों से नई तकनीकों को अपनाने और सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने की अपील की। इस अवसर पर उप कृषि निदेशक रवि चंद्र प्रकाश, एलडीएम आर.के. गौतम, जिला कृषि अधिकारी शशांक चौधरी, जिला उद्यान अधिकारी सुरेंद्र राम भास्कर, डीडीएम नाबार्ड सुमित कुमार, कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. ए.के. सिंह, केंद्र प्रभारी डॉ. अर्चना सिंह, मृदा वैज्ञानिक रत्ना सहाय तथा पौध संरक्षण वैज्ञानिक डॉ. जय कुमार यादव भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में संतुलित उर्वरक उपयोग के महत्व पर भी विस्तार से चर्चा की गई। वैज्ञानिकों ने मृदा परीक्षण, हरी खाद, जैव उर्वरकों के उपयोग, फसल अवशेष प्रबंधन, जैविक एवं प्राकृतिक खेती के लाभों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन से मृदा स्वास्थ्य बेहतर होता है, उत्पादन लागत कम होती है और फसल की उत्पादकता में वृद्धि होती है। इस कार्यक्रम में जनपद के कुल 106 कृषकों ने प्रतिभाग किया। प्रतिभागियों ने कार्यक्रम को उपयोगी बताते हुए कहा कि इससे उन्हें नई तकनीकी जानकारी मिली है। यह आयोजन कृषि एवं उद्यान क्षेत्र में समन्वित प्रयासों को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

उन्नाव में जनगणना 2027 की तैयारियां तेज

7 से 21 मई तक चलेगी स्व-जनगणना प्रक्रिया

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव में प्रस्तावित जनगणना 2027 को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। जिलाधिकारी घनश्याम मीना की अध्यक्षता में जिला जनगणना अधिकारियों और चार्ज अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनगणना से जुड़े जन-जागरूकता अभियान, स्व-जनगणना प्रक्रिया और डिजिटल प्रणाली के क्रियान्वयन पर विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए।जिलाधिकारी ने बताया कि 7 मई से 21 मई तक स्व-जनगणना का चरण संचालित किया जाएगा। इस दौरान आम नागरिक ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से स्वयं अपनी जनगणना संबंधी जानकारी भर सकेंगे। इसके साथ ही संबंधित मकान या स्थान की लोकेशन को भी पोर्टल पर टैग करना अनिवार्य होगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग इसमें भागीदारी कर सकें।उन्होंने आगे जानकारी दी कि जनगणना 2027 दो चरणों में पूरी की जाएगी। पहला चरण 22 मई से 20 जून तक चलेगा, जिसमें मकानों की सूचीकरण और गणना का कार्य किया जाएगा। दूसरा चरण 9 से 28 फरवरी 2027 तक आयोजित होगा। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि यह जनगणना पूरी तरह डिजिटल मोड में होगी। यह 1872 से शुरू हुई जनगणना श्रृंखला की 16वीं और स्वतंत्रता के बाद की आठवीं जनगणना होगी। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) सुशील कुमार गोंड़ ने अब तक की तैयारियों और आगामी कार्ययोजना की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए अलग-अलग रोस्टर तैयार किए जाएं, जिससे कार्य सुचारू रूप से संचालित हो सके। इसके साथ ही जिला पंचायत राज अधिकारी को सभी विकास खंडों में पंचायत सहायकों और ग्राम प्रधानों की प्रशिक्षण व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। नगर क्षेत्रों में वार्ड सदस्यों के माध्यम से विशेष कैंप लगाकर नागरिकों को प्रशिक्षित किया जाएगा। बेसिक शिक्षा अधिकारी और जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देशित किया गया कि वे स्कूलों और कॉलेजों में शिक्षकों के माध्यम से जनगणना से जुड़ी जानकारी का प्रसार करें। वहीं, मुख्य चिकित्सा अधिकारी को आशा और एएनएम कर्मियों के जरिए जागरूकता फैलाने तथा उपायुक्त उद्योग को फैक्ट्री कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने के निर्देश दिए गए।जिलाधिकारी ने कहा कि जनगणना एक अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है, जिसे पूरी गंभीरता और गुणवत्ता के साथ संपन्न किया जाना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

मगरवारा की तिरपाल फैक्ट्री में भीषण आग, मचा हड़कंप

उन्नाव के मगरवारा क्षेत्र में मंगलवार शाम एक तिरपाल फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। इस घटना से इलाके में अफरा-तफरी मच गई और देखते ही देखते पूरी फैक्ट्री धुएं के गुबार में घिर गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। फैक्ट्री में बड़ी मात्रा में ज्वलनशील सामग्री होने के कारण आग तेजी से फैल गई और विकराल रूप धारण कर लिया। मौके पर मौजूद कर्मचारियों ने किसी तरह बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। मुख्य अग्निशमन अधिकारी (CFO) अनूप सिंह स्वयं घटनास्थल पर मौजूद रहे और दमकल कर्मियों के साथ मिलकर आग बुझाने के प्रयासों का नेतृत्व किया। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। इस आगजनी में फैक्ट्री में रखा तिरपाल और अन्य सामान जलकर खाक हो गया, जिससे लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान है। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। स्थानीय लोगों ने बताया कि यदि दमकल विभाग समय रहते मौके पर नहीं पहुंचता, तो आग आसपास की अन्य इकाइयों तक भी फैल सकती थी, जिससे एक बड़ा हादसा हो सकता था। दमकल कर्मियों की तत्परता से एक बड़ी दुर्घटना टल गई। फिलहाल, पुलिस और प्रशासन की टीम मामले की जांच में जुटी है। आग लगने के सही कारणों का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच की जा रही है। साथ ही, फैक्ट्री संचालकों को सुरक्षा मानकों का पालन करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

योगी कैबिनेट ने वर्ष 2026-27 की नई तबादला नीति को दी मंजूरी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोक भवन में 500 लेखा परीक्षकों को नियुक्ति पत्र दिए। उन्होंने प्रदेश की वित्तीय मजबूती, पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया और बढ़ते राजस्व का उल्लेख किया। योगी ने कहा कि लेखा परीक्षकों की भूमिका स्थानीय निकायों को आत्मनिर्भर बनाने और विकसित भारत 2047 के लक्ष्य में महत्वपूर्ण होगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सोमवार को हुई उत्तर प्रदेश कैबिनेट की बैठक में वर्ष 2026-27 के लिए नई स्थानांतरण नीति को मंजूरी दे दी गई। यह नीति राज्य सेवा के अधिकारियों और कर्मचारियों पर लागू होगी। सरकार के अनुसार नई नीति का उद्देश्य प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाना और जरूरत वाले क्षेत्रों में पर्याप्त मानव संसाधन उपलब्ध कराना है। बैठक मुख्यमंत्री आवास 5 कालिदास मार्ग, लखनऊ में आयोजित हुई। बैठक के बाद वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने बताया कि कैबिनेट के समक्ष कुल 29 प्रस्ताव रखे गए थे और सभी को स्वीकृति मिल गई। इनमें सबसे महत्वपूर्ण प्रस्ताव वर्ष 2026-27 की वार्षिक स्थानांतरण नीति का रहा। नई नीति के अनुसार समूह 'क' और समूह 'ख' के वे अधिकारी और कर्मचारी, जो किसी एक जिले में लगातार तीन वर्ष या किसी एक मंडल में सात वर्ष की सेवा पूरी कर चुके हैं, उनका स्थानांतरण अनिवार्य रूप से किया जाएगा। इसके लिए कट-ऑफ तिथि 31 मार्च 2026 तय की गई है। इन दोनों श्रेणियों में अधिकतम 20 प्रतिशत तक तबादले किए जा सकेंगे।समूह 'ग' और समूह 'घ' के कर्मचारियों के लिए स्थानांतरण की सीमा 10 प्रतिशत निर्धारित की गई है। हालांकि विशेष परिस्थितियों में इसे 20 प्रतिशत तक बढ़ाया जा सकता है। समूह 'ग' के कर्मचारियों का जिला परिवर्तन संभव न होने पर उनके कार्यस्थल या पटल में परिवर्तन अनिवार्य रूप से किया जाएगा। इन श्रेणियों के तबादले विभागाध्यक्ष और विभागीय मंत्री की अनुमति से होंगे। सरकार ने स्पष्ट किया है कि समूह 'क' और 'ख' के अधिकारियों को उनके गृह जिले में तैनाती नहीं दी जाएगी। जिन समूह 'क' अधिकारियों के पद केवल मंडल स्तर पर हैं, उन्हें गृह मंडल में भी नियुक्त नहीं किया जाएगा। सभी विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि स्थानांतरण की पूरी प्रक्रिया हर हाल में 31 मई 2026 तक पूरी कर ली जाए। इसके बाद किसी भी तबादले के लिए मुख्यमंत्री की स्वीकृति आवश्यक होगी।नीति में विशेष श्रेणियों को प्राथमिकता भी दी गई है। यदि पति-पत्नी दोनों सरकारी सेवा में हैं, तो यथासंभव उन्हें एक ही जिले में तैनाती देने का प्रयास किया जाएगा। पूर्णतः दिव्यांग बच्चों के माता-पिता को उनकी पसंद और सुविधा के अनुसार ऐसे स्थानों पर तैनाती दी जाएगी, जहां उपचार और देखभाल की बेहतर व्यवस्था उपलब्ध हो। इसके अलावा 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग कर्मचारियों और ऐसे कर्मियों, जिनके आश्रित परिजन दिव्यांग हैं, उन्हें सामान्यतः स्थानांतरण से मुक्त रखा जाएगा। यदि कोई दिव्यांग कर्मचारी स्वयं तबादला चाहता है, तो उसके अनुरोध के आधार पर मनचाहे जिले में भेजने पर विचार किया जाएगा। सरकार ने आकांक्षी जिलों जैसे चित्रकूट, चंदौली, सोनभद्र, फतेहपुर, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, श्रावस्ती और बहराइच सहित 34 जिलों के 100 आकांक्षी विकासखंडों में सभी पदों पर शत-प्रतिशत तैनाती सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया है। इन क्षेत्रों में दो वर्ष से तैनात कर्मचारियों से विकल्प लेकर

यूपी में आंधी-बारिश का कहर जारी

यूपी में आंधी-बारिश का सिलसिला जारी है। मंगलवार को लखनऊ, आगरा, प्रतापगढ़, झांसी, अमेठी, गाजीपुर और भदोही में बारिश हुई। सुबह तेज हवाओं की वजह से हल्की ठंड का एहसास हुआ। बाराबंकी, सीतापुर, अयोध्या, कानपुर, रायबरेली समेत आसपास के इलाकों में बादल छाए हैं। आगरा में ताजमहल का दीदार करने पहुंचे पर्यटक भीग गए। ललितपुर में आंधी और बारिश की वजह से खुले गेहूं क्रय केंद्रों पर रखा हजारों क्विंटल गेहूं भीग गया। लखीमपुर खीरी में बारिश की वजह से जलभराव हो गया। कक्षा 1 की छात्रा मानवी सिंह ने वीडियो जारी कर जिलाधिकारी से भावुक अपील की। कहा- "हेलो डीएम अंकल, आप बहुत अच्छे हैं, मेरी सड़क बनवा दो।" मौसम विभाग ने 42 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। आज बड़ा मंगल के अवसर पर प्रदेश में जगह-जगह भंडारे होने हैं। इसके अलावा, प्रदेश भर में 10-15 हजार शादिया हैं। ऐसे में बारिश से खलल पैदा हो सकती है। पिछले 24 घंटे की बात करें तो अयोध्या, सीतापुर और बाराबंकी में ओले गिरे। वाराणसी, कानपुर समेत 22 जिलों में आंधी-बारिश हुई। सबसे ज्यादा 130 मिमी बारिश संभल में रिकॉर्ड की गई। आंधी-बारिश की वजह से पीलीभीत में ईंट-भट्ठे की 100 फीट ऊंची चिमनी ढह गई। गाजीपुर में कच्चे मकान की दीवार ढह गई। किसान हरिचरण कुशवाहा (58) की मलबे में दबकर मौत हो गई। इससे पहले कासगंज में 2 बच्चों, औरैया में दादी-पोती, गोरखपुर में 2 युवकों और संभल में एक बच्ची की जान गई थी।

दो साल बाद पुलिस ने गुमशुदा बच्चे को सकुशल बरामद किया परिजनों ने पुलिस का किया धन्यवाद

हाथरस। जनपद हाथरस से एक बेहद भावुक और सुकून देने वाली खबर सामने आई है, जहां दो साल की लंबी तलाश के बाद गुमशुदा बच्चे को पुलिस ने सकुशल बरामद कर लिया है। मामला थाना सासनी क्षेत्र का है, जहां 11 जुलाई 2024 को नाई का नगला निवासी अतर सिंह ने अपने 13 वर्षीय बेटे शिवम उर्फ शिवा के लापता होने की सूचना दर्ज कराई थी। बताया गया था कि बच्चा 9 जुलाई 2024 को बिना बताए घर से चला गया था और वापस नहीं लौटा। परिजनों द्वारा काफी तलाश के बावजूद जब कोई सुराग नहीं मिला, तो पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने लगातार दो वर्षों तक बच्चे की तलाश जारी रखी। इस दौरान सोशल मीडिया, पम्पलेट, फ्लायर, न्यूज चैनलों और विभिन्न जनपदों में सघन खोज अभियान चलाया गया। हर छोटे-बड़े सुराग पर गंभीरता से काम किया गया। आखिरकार 4 मई 2026 को पुलिस को सूचना मिली कि गुमशुदा बालक कानपुर में रहकर कबाड़ इकट्ठा कर अपना जीवन यापन कर रहा है। सूचना मिलते ही थाना सासनी पुलिस ने तुरंत टीम गठित कर कानपुर के लिए रवाना किया और कड़ी मेहनत के बाद बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस द्वारा बच्चे को सुरक्षित थाना लाकर उसका चिकित्सीय परीक्षण कराया गया और आवश्यक कानूनी कार्यवाही पूरी की जा रही है। करीब दो साल बाद अपने बेटे को सकुशल वापस पाकर परिवार में खुशी का माहौल है। परिजनों ने हाथरस पुलिस का आभार जताते हुए उनके इस सराहनीय कार्य की भूरि-भूरि प्रशंसा की है।यह घटना पुलिस की कर्तव्यनिष्ठा, संवेदनशीलता और दृढ़ संकल्प का एक बेहतरीन उदाहरण है।

तीन राज्यों में भाजपा की जीत पर हाथरस में जश्न

मिठाइयों और आतिशबाजी के साथ कार्यकर्ताओं ने मनाई खुशी

हाथरस। पश्चिम बंगाल सहित तीन राज्यों के विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की जीत पर शहर में जश्न मनाया गया। यह आयोजन पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष पंडित आशीष शर्मा की अगुवाई में उनके शिविर कार्यालय पर हुआ। इस दौरान कार्यकर्ताओं के बीच मिठाइयों व झालमुड़ी का वितरण किया गया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने जमकर आतिशबाजी की और ढोल-नगाड़ों की थाप पर नाचकर अपनी खुशी का इजहार किया। पूरा माहौल उत्साह और उमंग से भर गया, जहां कार्यकर्ता जश्न में डूबे नजर आए।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आशीष शर्मा ने कहा कि पश्चिम बंगाल का भारतीय इतिहास और सनातन संस्कृति में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रहा है। यह महर्षि रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद, महर्षि अरविंद, बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय और नेताजी सुभाष चंद्र बोस जैसे महान संतों, विचारकों और राष्ट्रभक्तों की जन्मभूमि व कर्मभूमि है। उन्होंने कहा कि बंगाल ने देश में सांस्कृतिक पुनर्जागरण और स्वतंत्रता संग्राम की अलख जगाने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने आगे कहा कि आज उसी बंगाल की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को सहेजने तथा उसे विकास की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए भाजपा की जीत महत्वपूर्ण है। उन्होंने इस विजय को केवल राजनीतिक सफलता न बताते हुए करोड़ों कार्यकर्ताओं की मेहनत और भगवान महादेव के आशीर्वाद का परिणाम बताया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे और सभी ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की खुशी साझा की।